फूड पार्क में चार पहिया वाहनों की बेधड़क एंट्री से दुकानदार और जनता परेशान

✷ चार पहिया वहनों को पीछे के रास्ते ले जाने की मांग

जगदलपुर 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। शहर के शहीद पार्क के पास लोगों की सुबिधा के लिए फूड पार्क बनाया गया है। नगर से व्यस्त जगह में फूड पार्क भी एक है। यहां पीछे वाहन पार्किंग की व्यवस्था है, लेकिन शहीद पार्क के सामने से आकर पूरी रफ्तार से चार पहिया वाहन फूड पार्क में जाने से दुर्घटना की अंदेशा के साथ जाम लगने से दुकानदारों के साथ आम जनता को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। वाहनों को अंदर जाने से रोकने के लिए बैरिकट नहीं होने के कारण आम जनता को जाम और परेशानी से निजात मिलती नहीं दिखाई दे रही है। फूड पार्क के दुकानदारों के साथ आम जनता की मांग है कि शहीद पार्क के सामने से फूड पार्क जाने वाली मार्ग पर बैरिकट लगाया जाए।

शहर के लोग दिन भर की भागदौड़ के बाद शाम को कुछ फुर्सत के क्षण शहीद पार्क के पास स्थित फूड पार्क में परिवार के साथ चाय-पानी और दूसरे खानपान का मजा लेने पहुंचते है, लेकिन फूड पार्क के बीच बनी सड़क पर चार पहिया वाहनों की बेधड़क आवाजाई के कारण जाम लगने के साथ परेशानी का सबब बन जाता है। जाम लगने लगने से आम जनता को बेहद कठिनाइयों से दो चार होना पड़ रहा है। जाम के कारण दुकानदारों के लिए भी सरदर्द बन गया है। इस जाम के लिए चार पहिया वाहन चालक काफी हद तक जिम्मेदार है क्योंकि पिछे की मार्ग से जाकर पार्किंग करने के बजाय इस मार्ग से जाने के कारण दुकानदारों और आम जनता को परेशानी हों रहा है। लोगों की मांग है कि सामने बैरिकट लगा कर चार पहिया वाहनों को इस मार्ग से आने-जाने से रोका जाए।

आए दिन होता है विवाद

दुकानदारों ने बताया की दोनों और से इस मार्ग पर चार पहिया आने-जाने से जाम लग जाता है, इसके चलते दुपहिया वाहन चालक फस जाते है। वाहन पिछे करने की बात पर आए दिन तूतू-मैमै हो जाता है।

दुर्घटना की भी आशंका

फूड पार्क में बड़ी संख्या में बच्चे भी जाते है। यहां परिवार के साथ 5-6 साल के बच्चे भी होते है। सड़क के किनारे खड़े होकर चाय-नास्ता के दौरान फूड पार्क के बीच बनी सड़क पर चार पहिया वाहनों की बेधड़क आवाजाई के दौरान छोटे बच्चे भागदौड़ से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

कलेक्टर ने किया दरभा विकासखंड का दौरा

✷ तीरथगढ़ एवं मंगनार में ग्रामीण विकास कार्यों का लिया जायजा

जगदलपुर 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। कलेक्टर हरिस एस और सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन ने गुरुवार को दरभा विकासखंड के तीरथगढ़ एवं मंगनार का दौरा किया। दौरे में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा, हार्टिकल्चर एवं प्रदान संस्था अन्य के समन्वय से ग्राम स्तर पर किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। कलेक्टर ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए महिला स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं क्लस्टर लेवल फेडरेशन की कार्यप्रणाली,सोलर लिफ्ट सिंचाई प्रणाली हेतु मॉडल, कार्यान्वयन प्रक्रिया एवं समुदाय द्वारा संचालन की व्यवस्था, सब्ज़ी उत्पादन के लिए बैकवर्ड व फॉरवर्ड लिंकेज, रेजेनेरेटिव खेती पद्धति एवं किसानों की आमदनी में वृद्धि, कृषक उत्पादक संगठन, मुर्गी शेड, चारा प्रबंधन व आय में वृद्धि की प्रक्रिया, फलदार पौधारोपण में आम, नींबू, सहजन, पपीता, केला, नारियल एवं नर्सरी विकास कार्य,इमली प्रसंस्करण से किसानों की आमदनी में इजाफा, मनरेगा के तहत पर्कोलेशन टैंक, ड्रिप सिंचाई, जल टंकिया का निर्माण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बाँस राफ्टिंग एवं कायकिंग जैसी गतिविधियाँ संचालित करने पर चर्चा की।

मेडिकल टेक्नोलॉजी कोर्स हेतु ऑनलाइन प्रवेश 30 जून तक

जगदलपुर, 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। एनएमडीसी के कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत मेडिकल टेक्नोलॉजी कोर्स के अंतर्गत दंतेवाड़ा और बस्तर जिले के इच्छुक गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले आदिवासी (अजजा) बालक एव बालिकाओं को अपोलो यूनिवर्सिटी चितूर (अपोलो यूनिवर्सिटी चितूर) में प्रवेश हेतु 30 जून तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक आवेदक की न्यूनतम आयु 17 से 25 वर्ष है। इन पाठ्यक्रमों में 90 सीट है, जिसमें बालिकाओं के लिए 60 प्रतिशत सीटें एवं बालकों के लिए 40 प्रतिशत सीटें आरक्षित है। चयनित छात्रों एनएमडीसी की तरफ से निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी। इस पाठ्यक्रम में 06 कोर्स है जिसमें 1. बीएससी इमरजेंसी मेडिकल टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय), 2 बीएससी मेडिक लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय), 3. बीएससी एनेस्थीशियोलॉजी एंड ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय), 4. बीएससी इमेजिस टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय), 5. बीएससी फजिशियन असिस्टेंट (04 वर्षीय) और 6. बीएससी रिनल डायलिसिस टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय) है । इसके लिए निर्धारित योग्यता में 12 वीं में विज्ञान विषयों में (भौतिक, रसायन एवं बायोलॉजी) कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए तथा संपूर्ण विषयों में कुल योग 45 प्रतिशत होना अनिवार्य है। अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।अभ्यर्थियों को दंतेवाड़ा एवं बस्तर जिले का निवासी होना अनिवार्य है। परिवार की कुल वार्षिक आय रू. 72 हजार से अधिक न हो (सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र 01 वर्ष (16.06.2024) से अधिक पुराना न हो)।यह योजना केवल (अजजा) बालक एवं बालिकाओं के लिए मान्य है। आवेदन प्रक्रियाः- आवेदन केबल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। उम्मीदवारों को ऑनलाइन मोड मे ही आवेदन करना होगा। अभ्यर्थियों को एनएमडीसी की वेबसाइट द्धह्लह्लश्चह्य-//222.ठ्ठद्वस्रष्.ष्श.द्बठ्ठ /ष्ड्डह्म्द्गद्गह्म्ह्य के माध्यम में ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है (लिंक वेबसाइट के करियर पेज पर उपलब्ध है) लिंक 17 जून को प्रातः 09 बजे से 30जून 2025 को रात्रि 11ः59 बजे तक आवेदन कर सकते हैं । अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में सभी आवश्यक विवरण भरने एवं उल्लेखित आवश्यक दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों को अपलोड करना अनिवार्य है, अन्यथा उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

बस्तर प्रशासन का ज्ञान गुड़ी बना जॉब प्लेसमेंट सेंटर

जगदलपुर, 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर प्रसाशन का ज्ञानगुड़ी परिसर, बना जॉब प्लेसमेंट सेंटर 51 बच्चों नें नीट क्वालीफाई किया। वेटनरी परीक्षा मे राज्य स्तर पर 5 वां, पीएटी मे 11 वां रैंक, फार्मेसी मे भी बच्चे चयनित

बस्तर जिला कलेक्टर हरिस एस के मार्गदर्शन मे शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित ज्ञानगुड़ी परिसर मे निशुल्क कोचिंग लें रहे 51 बच्चों नें नीट परीक्षा में क्वालीफाई किया हैं। वही ज्ञानगुड़ी के प्रशिक्षनार्थी भुवनेश्वर नें पीव्हीपीटी मे राज्य स्तर मे 5 वां और पीएटी मे 11 वां रैंक हासिल किया हैं। फार्मेसी परीक्षा मे भी यंहा के 5 बच्चों नें राज्य स्तर के 100 वे रैंक पर अपना स्थान बनाया हैं। उल्लेखनीय हैं की ह्श्वश्वञ्ज, ह्लह्म्ह्यद्बठ्ठद्द, क्कञ्ज, क्क.क्कद्धञ्ज, क्कड्डक्कञ्ज आदि राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता परीक्षाओ का निशुल्क कोचिंग, सरकारी शिक्षकों के माध्यम से ज्ञानगुड़ी मे दिया जा रहा है। विगत वर्षो मे यंहा से निशुल्क कोचिंग लें रहे 275 बच्चों नें विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगी परीक्षाओं को क्रैक किया हैं। कई बच्चे छत्तीसगढ़ एवं राज्य से बाहर के सरकारी मेडिकल कॉलेजो, क्क्षह्स्, क्करूस्, ह्लह्म्ह्यद्बठ्ठद्द मे भी प्रवेश लें चुके हैं। आदिवासी बहुल बस्तर ही नहीं छत्तीसगढ़ के लगभग सभी जिलों के गरीब आवश्यकता मंद बच्चों के लिए ज्ञानगुड़ी वरदान साबित हुआ हैं। एक तरह से बस्तर प्रशासन के मार्गदर्शन मे शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ज्ञानगुड़ी परिसर, जॉब प्लेसमेंट सेंटर बन गया हैं। यहाँ बस्तर संभाग के बाहर के जिलों के बच्चे भी प्रवेश लें रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा ज्ञानगुड़ी परिसर का उद्धाटन किया गया हैं। वर्तमान मे सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश भी जारी हैं। अंतिम तिथि 25-06-2026 हैं।

बस्तर सामाजिक जन विकास समिति ने ग्राम पंचायत में किया वृक्षारोपण

जगदलपुर, 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर सामाजिक जन विकास समिति के तत्वाधान में 20/6/2025 को संस्था संचालक सुशील कुमार पांडेय के मार्गदर्शन से विकास खंड जगदलपुर के ग्राम पंचायत ,बाबू सेमरा, चिलकुटी, कुलगांव, बिलोरी,धनियालुर, साडगुड़ में वृक्षा रोपण किया गया ।

वृक्षा रोपण के दौरान उपस्थित ग्रामीण जनों को संस्था संचालक सुशील कुमार पांडेय के द्वारा अपने उद्धबोधन में वृक्षा रोपण के महत्व के विषय में यह बताया गया कि पर्यावरण और मानव जीवन दोनो के लिए आवश्यक है,क्योंकि पेड़ आक्सीजन प्रदान करते है कार्बन अक्साईट को अवशोषित करते है,मिट्टी कटाव को रोकते है,लकड़ी और भोजन जैसे विभिन्न संसाधन प्रदान करते है,और जलवायु परिवर्तन से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

इस अवसर पर उपस्थित मितानिन, आंगनवाड़ी, कार्यकर्ताओं,महिला मंडल के सदस्यों को संस्था से सियाराम नेताम के द्वारा वृक्षा रोपण से लाभ के विषय पर यह जानकारी दिया गया कि पेड़ लगाने का एक मुख्य लाभ यह कि वे हमे जीवन देने वाली आक्सीजन प्रदान करते है आक्सीजन के उपस्तिथि के बिना जीवित प्राणियों का अस्तित्व संभव नहीं है। मिट्टी की उर्वरता पेड़ की पत्तियों का गिरना पेड़ की पत्तियां गिरकर मिट्टी में मिल जाती जिसे मिट्टी को प्राकृतिक खाद मिलती है यह मिट्टी कि उर्वरता को बढ़ता हैं और फसलों को अच्छी पैदावार में मदद करता है। जल सरंक्षण जल धारण क्षमता पेड़ो कि जड़े मिट्टी में गहराई तक जाकर जल को संचित करती है,जिससे भू जल स्तर मे सुधार होता है।

ग्राम पंचायत बाबू सेमरा, चिलकूटी में इंदु भारती, रोशनी चालकी, खितेंद्र दास पंथ, सूरज नेताम, सालेंद्री बघेल, कुरंदी में कु. गुड़िया मौर्य, कु.प्रीति, धनियालूर में श्रीमती सुखविंदर सिंह, श्रीमती जोतसना प्रधान,बिलौरी में श्रीमती सरिता बघेल, पोडागुड़ा में बिनोद साहू, सागुड में सरिता विश्वास, थाबीर सिंह चंदेल, संतोष पटेल, केशबो राम कश्यप के द्वारा वृक्षा रोपण कार्य में ग्रामीणों को सहयोग किया गया

बस्तर संभाग में गोवंशीय पशुओं की अवैध तस्करी पर रोक लगाने बजरंग दल ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर, 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बस्तर संभाग में संचालित पशु बाजारों के माध्यम से हो रही गोवंशीय पशुओं की अवैध तस्करी के विरुद्ध कलेक्टर कार्यालय, बस्तर के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि नारायणपुर, सुकमा, बीजापुर, कोंडागाँव, दंतेवाड़ा एवं कांकेर जैसे संवेदनशील जिलों में संचालित अवैध पशु बाजारों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए, और पैदल एवं वाहनों से हो रही पशु तस्करी पर कठोर कार्यवाही की जाए।

विहिप विभाग मंत्री रवि ब्रह्मचारी ने कहा बस्तर की पवित्र धरती पर गोवंश की तस्करी हमारी धार्मिक आस्थाओं और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत का घोर अपमान है। सरकार यदि जल्द उचित कदम नहीं उठाती,तो हमें सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बजरंग दल विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप ने बताया हम बार-बार प्रशासन को इन अवैध गतिविधियों की जानकारी दे चुके हैं, परंतु अपेक्षित कार्यवाही नहीं हुई। हम चाहते हैं कि बस्तर संभाग में पशु परिवहन पर नियंत्रण के लिए स्थायी चेक पोस्ट बनाए जाएं और प्रत्येक वाहन की जांच हो।

बजरंग दल जिला संयोजक मुन्ना कोरी ने कहा जनभावनाओं को आहत करने वाली ऐसी तस्करी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि 15 दिनों के भीतर हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो बजरंग दल उग्र आंदोलन करेगा,

ज्ञापन सौंपने के दौरान विभाग मंत्री रवि ब्रह्मचारी,अनिल सहित स्थानीय एवं बकावंड, नगरनार, नानगुर, बस्तर, लौहंडीगुडा प्रखंडों से सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्व विश्वकर्मा युवक परिचय सम्मेलन अगस्त में

जगदलपुर 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा मय (बढ़ई) मनु (लोहार) कल्याण संघ, छत्तीसगढ़ के प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन दुलार विश्वकर्मा धर्मशाला में 22 जून को आयोजित की गई । इस प्रदेश स्तरीय बैठक में पिछले वर्ष आय व्यय प्रस्तुत किया गया इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में नारी शक्ति को सशक्त बनाने हेतु महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है प्रदेश स्तरीय बैठक में आगामी अगस्त माह में युवक युवती परिचय सम्मेलन को करने का निर्णय लिया गया है, जो अगस्त के अंतिम सप्ताह में होगा। समाज को आर्थिक रूप से सफल बनाने हेतु सदस्यता अभियान पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया गया है।

पुरषोत्तम देव ने सौंपी थी काढ़ा पिलाने की जिम्मेदारी, आज भी निभा रहें 3 परिवार

✷ अनसर काल में महाप्रभु को 15 दिनों तक पिलाते हैं काढ़ा
✷ जगन्नाथ मंदिर में बने मुक्ति मंडप में भगवान जगन्नाथ का चल रहा उपचार

जगदलपुर, 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। गोंचा महापर्व में मनाए जाने वाला अनसर काल सालों से बस्तर जिले में तीन परिवार के लोगों द्वारा पूरा किया जा रहा है। ये परिवार सालों से पूरी आस्था और भक्ति भाव के साथ सेवा करते हैं। इन परिवारों के सेवादारों की संज्ञा दी गई है, जो भगवान जगन्नाथ स्वामी को 15 दिनों तक काढ़ा पिलाकर और उनकी सेवा कर उन्हें बीमारी से निजात दिलाते हैं। बस्तर जिले में इस परंपरा का पालन इस समय योगेश मंडन और भूपेंद्र जोशी के साथ अरूण पाढ़ी का परिवार पूरा कर रहा है। तीनों पुजारियों ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की सेवा करने की मिली जिम्मेदारी को उनका परिरवार सालों से पूरा करता आ रहा है। अरूण पाढ़ी ने बताया कि यह जिम्मेदारी राजा पुरुषोत्तम देव ने तीनों परिवारों को दी है। तब से यह काम बिना किसी परेशानी के पूरा किया जा रहा है। बड़े सौभाग्य से यह दायित्व मिला है जिसे हर हाल में पूरा किया जा रहा है। आने वालों में तीनों सेवादारों के परिवारों के सदस्य इस काम को अंजाम देंगे।

श्रद्धालु भी ले जाते है औषधिय भोग प्रसाद

बस्तर गोंचा पर्व चंदन जात्रा विधान के साथ शुरू हो चुका है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चंदन जात्रा पूजा विधान के बाद भगवान जगन्नाथ 15 दिनों के लिए अनसर काल में चले जाते हैं। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अस्वस्थ होते हैं तथा भगवान के अस्वस्थता के हालात में दर्शन वर्जित होते हैं। भगवान जगन्नाथ के स्वास्थ्य लाभ के लिए चिरायता, काली मिर्च, सोंठ, दाल चीनी, लौंग, इलायची, अजवाइन, पंच मेवा, गुड़ का काढ़ा का औषधियुक्त भोग लगाया जा रहा है। इस भोग प्रसाद को श्रद्धालु भी

पूर्व माध्यमिक शाला माझीगुड़ा में मना शाला प्रवेशोत्सव

जगदलपुर, 24 जून (दण्डकारण्य समाचार)। जगदलपुर विकास खंड अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय मांझीगुड़ा में सोमवार को नवप्रवेशी विद्यार्थियों का शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती माता के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर मांझीगुड़ाके सरपंच मंगलसाय बघेल के हाथों विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक, गणवेश, पेन, पेन्सिल तथा कॉपी का वितरण किया गया। पीजी राव प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शाला विकास समिति सदस्यों तथा पालकों का स्वागत कर छात्र-छात्राओं को नया शिक्षा सत्र के लिए शुभकामनाएं दी गई। नव प्रवेशी विद्यार्थियों का पुष्पहार व तिलक से स्वागत कर नियमित स्कूल आने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम मे भूतपूर्व जनपद सदस्य धनर मांझी, शाला विकास समिति अध्यक्ष शांति सेठिया, संकुल समन्वयक नानगुर सरोज कुमार सेठिया, शिक्षक महेश कुमार सेठिया, प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय मांझीगुड़ा कमल कुमार बेसरा, संकुल समन्वयक अलनार रमेश कुमार सोनी आदीउपस्थित थे।